तू मत कर रे चतुराई | By Sanjay Chauhan |

तू मत कर रे चतुराई,
बस नेक करम कर भाई।

बस नेक करम कर भाई,
बस नेक करम कर भाई,
बस नेक करम कर भाई,
जो लेख लिखे रघुराई,
उसको ना कोई मिटाई।

किस्मत के आगे चलता ना,
मानव मन का कोई ज़ोर।
ऊपरवाले के हाथों में,
डोर है सबकी भाई,
ये बात समझ ले भाई।

तू मत कर रे चतुराई,
बस नेक करम कर भाई।

कागज़ में गर लिखा होता,
पढ़ लेता हर कोई रे।
किस्मत की लिखी पोथी को,
पढ़ सकता ना कोई,
कुछ देता नहीं दिखाई।

तू मत कर रे चतुराई,
बस नेक करम कर भाई।

जीवन के अनमोल छड़ों को,
यूँ ही ना खो देना रे।
नेकी के मार्ग में काँटें,
लाखों आवे भाई,
मत घबराना रे भाई।

तू मत कर रे चतुराई,
बस नेक करम कर भाई।

बस नेक करम कर भाई,
बस नेम करम कर भाई,
बस नेक करम कर भाई,
जो लेख लिखे रघुराई,
उसको ना कोई मिटाई।

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%a4%e0%a5%82-%e0%a4%ae%e0%a4%a4-%e0%a4%95%e0%a4%b0-%e0%a4%b0%e0%a5%87-%e0%a4%9a%e0%a4%a4%e0%a5%81%e0%a4%b0%e0%a4%be%e0%a4%88-by-sanjay-chauhan/